प्रेस विज्ञप्ति

मर्चेंट्स चैंबर ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा "इंटेलिजेंस इन एक्शन: इंडियास स्ट्रेटेजिक मनोवेर्स इन जियोपोलिटिकल डायनामिक्स"विषय पर विशिष्ट टॉक शो का आयोजन

मर्चेंट्स चैंबर ऑफ उत्तर प्रदेश (MCUP) द्वारा आज "इंटेलिजेंस इन एक्शन: इंडियास स्ट्रेटेजिक मनोवेर्स इन जियोपोलिटिकल डायनामिक्स" विषय पर एक विशिष्ट टॉक शो का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर के प्रमुख उद्यमी, उद्योगपति, बुद्धिजीवी एवं गणमान्य अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत MCUP के अध्यक्ष श्री अभिषेक सिंघानिया के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने आयोजन के उद्देश्य और विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कर्नल आर.एस.एन. सिंह (से.नि.), पूर्व रॉ अधिकारी; कर्नल अजय के. रैना (से.नि.); और YT DEF Talks के आदि अंचित उपस्थित थे। वक्ताओं ने भारत की बदलती वैश्विक भूमिका, सामरिक तैयारियों और गुप्तचर क्षमताओं पर प्रकाश डाला।

क्ताओं ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य तीव्र गति से बदल रहा है, जिसमें भारत की भूमिका निर्णायक होती जा रही है। उन्होंने बताया कि भारत ने अपनी खुफिया प्रणाली को अधिक सक्रिय, समन्वित और तकनीकी रूप से उन्नत बनाया है, जिससे संभावित सुरक्षा खतरों का समय रहते आकलन और निवारण संभव हो पाया है।

हाल ही में हुए पहलगाम हमले के परिप्रेक्ष्य में, वक्ताओं ने कहा कि "एक्शन हमेशा मिलिट्री का नहीं होता है। अगर आप यह सोचते हैं कि केवल सेना को ही लड़ना है, तो यह भ्रम है — पूरे देश को एकजुट होकर लड़ना होगा।" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति अत्यंत जर्जर है और वह सीधे युद्ध लड़ने में सक्षम नहीं है। वह भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाने के उद्देश्य से हिंदुओं पर हमलों द्वारा एक 'एंटी-हिंदू' वातावरण बनाने की कोशिश कर रहा है। वक्ताओं ने यह भी जोड़ा कि भारत को ऐसी कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए कि यदि कोई ऐसी घटना करने की सोच भी रखे, तो उसके मन में पहले ही उसके दुष्परिणाम गहराई से बैठ जाएँ।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ कठोर किंतु संतुलित नीतियाँ अपनाकर न केवल सीमाओं की सुरक्षा कर रहा है, बल्कि आंतरिक स्थिरता बनाए रखने में भी सफल हो रहा है। रक्षा अनुसंधान और अत्याधुनिक तकनीकों में निरंतर निवेश के माध्यम से सैन्य क्षमताएँ नई ऊँचाइयों को छू रही हैं।

सत्र के अंत में एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित जनों ने विषय से संबंधित गहन प्रश्न पूछे और वक्ताओं ने उनका संतोषजनक उत्तर देकर विषय को और अधिक स्पष्ट किया।

कार्यक्रम का समापन चैंबर के काउंसिल सदस्य श्री अजय कुमार सराओगी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने सभी विशिष्ट अतिथियों, वक्ताओं, आयोजकों तथा उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन मर्चेंट्स चैंबर की सामरिक चेतना और निरंतर सीखने की परंपरा को सुदृढ़ करते हैं।

इस अवसर पर डॉ. आई.एम. रोहतगी, बी.के. लाहोटी, वर्षा सिंघानिया, मुकुल टंडन, अनिल अग्रवाल, विजय पांडे, आशीष चौहान, स्वतंत्र सिंह, तरुण गर्ग, सुशील शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।